राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 30.00 संख्या 2446
डैड और अलाइव
NEELAM 2010
AMIT...
Dayji
सुपरकमांडोध्रुव

निखिल एक मासूम जिसे पहले दुनिया ने जीनियस कह कर पलकों पर बिठाया और बाद में वक्त और हालात ने उसे आतंकवादी घोषित कर दिया। उस आतंकवादी की तलाश में निकला सुपर कमाण्डो ध्रुव और एण्टी टेरेरिज्म स्क्वेड बटालियन 82 का चीफ राघवन। ध्रुव उस जीनियस को जिन्दा पकड़ना चाहता था तो राघवन उसे मुर्दा देखना चाहता था। ऐसा क्या था उसके पास जिसके कारण ध्रुव के लाख प्रयासों के पश्चात भी जीनियस को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। वो था एक ट्रिगर जो कि राघवन के हाथ नहीं लग पाया। उसे शक है कि वह ट्रिगर जो कि एक गहरी साजिश का हिस्सा है अब ध्रुव के पास है। तो अब राघवन के सामने ध्रुव के रूप में है एक और जीनियस जो उसे चाहिए **DEAD OR ALIVE.**

कहते हैं इन्सान का जीवन मृत्यु उसके कर्म सुनिश्चित करते हैं। जितने बुरे कर्म उतनी भयानक मृत्यु। आज ऐसे ही किसी की जीवन और मृत्यु का फैसला होने जा रहा था। परन्तु फैसला करने वाला कोई भगवान नहीं इन्सान है और जिस शख्स के लिए फैसला लिया जा रहा था वह कोई और नहीं सुपर कमांडो ध्रुव है।

तुम गिरफ्तार किए जाते हो ध्रुव! और हां कोई चालाकी नहीं! तुम्हारी एक छोटी सी हरकत तुम्हारे शरीर की इमारत को हवा महल बनाने के लिए काफी होगी।
न...नहीं सर जी! इस हालत में मैं ऐसा करने की सोच भी नहीं सकता! हां! अगर ध्रुव होता तो आप लोगों का हवा महल बनाने का सपना, सपना ही रह जाता।

क्या मतलब?
मैं ध्रुव नहीं हूं! मैं तो COMMANDO FORCE का CADET गजेंद्र हूं।

क्या बकवास है? तुम ध्रुव नहीं हो तो इस तरह भागते क्यों फिर रहे हो और ये ध्रुव की तरह ड्रेसअप क्यों किया हुआ है?
कर लिजिए गल्ल सरजी! बिल्ली चूहे को खाने को दौड़ेगी तो क्या चूहा बिल्ली का भोजन बनने को खुद वहीं खड़ा रहेगा?
एक तो अंधाधुंध गोलियां चला रहे थे आप लोग! तो क्या मैं गोली खाने के लिए रुक जाता?

वो तो भला हो COMMANDO FORCE TRAINING का। मैं गोलियों से बच गया। वर्ना मैं गजेंद्र से लेट गजेंद्र हो गया होता।
और रही बात ध्रुव की तरह ड्रेसअप की तो ये ध्रुव फैन पार्टी के लिए है जिसकी थीम ही ध्रुव की ड्रेस है मेरी तरह और भी फैन्स और कैडेट्स ध्रुव के गेटअप में पार्टी में जा रहे होंगे।

सर! मैं सेक्टर 16 से बोल रहा हूं। जिसे हमने ध्रुव समझ कर पकड़ा था वो ध्रुव नहीं है...।

बकवास! ये तुम लोगों का किया धरा है पर ऐसा करके भी ध्रुव बच नहीं पाएगा। नकली ध्रुव खड़े करके तुम उसे बचा नहीं सकते।
ये नकली ध्रुव नहीं है सर। आज ही के दिन कमांडो फोर्स का गठन हुआ था। उसी उपलक्ष्य में ध्रुव फैन पार्टी रखी गई है। ये सभी उसी में हिस्सा लेने आ रहे थे।

अगर कमांडो फोर्स के कैडेट मुझे रिपोर्ट कर रहे हैं तो कैडेट रेणु और पीटर कहां हैं?
सर वो दोनो छुट्टी पर हैं ये रही उनकी एप्लीकेशन।
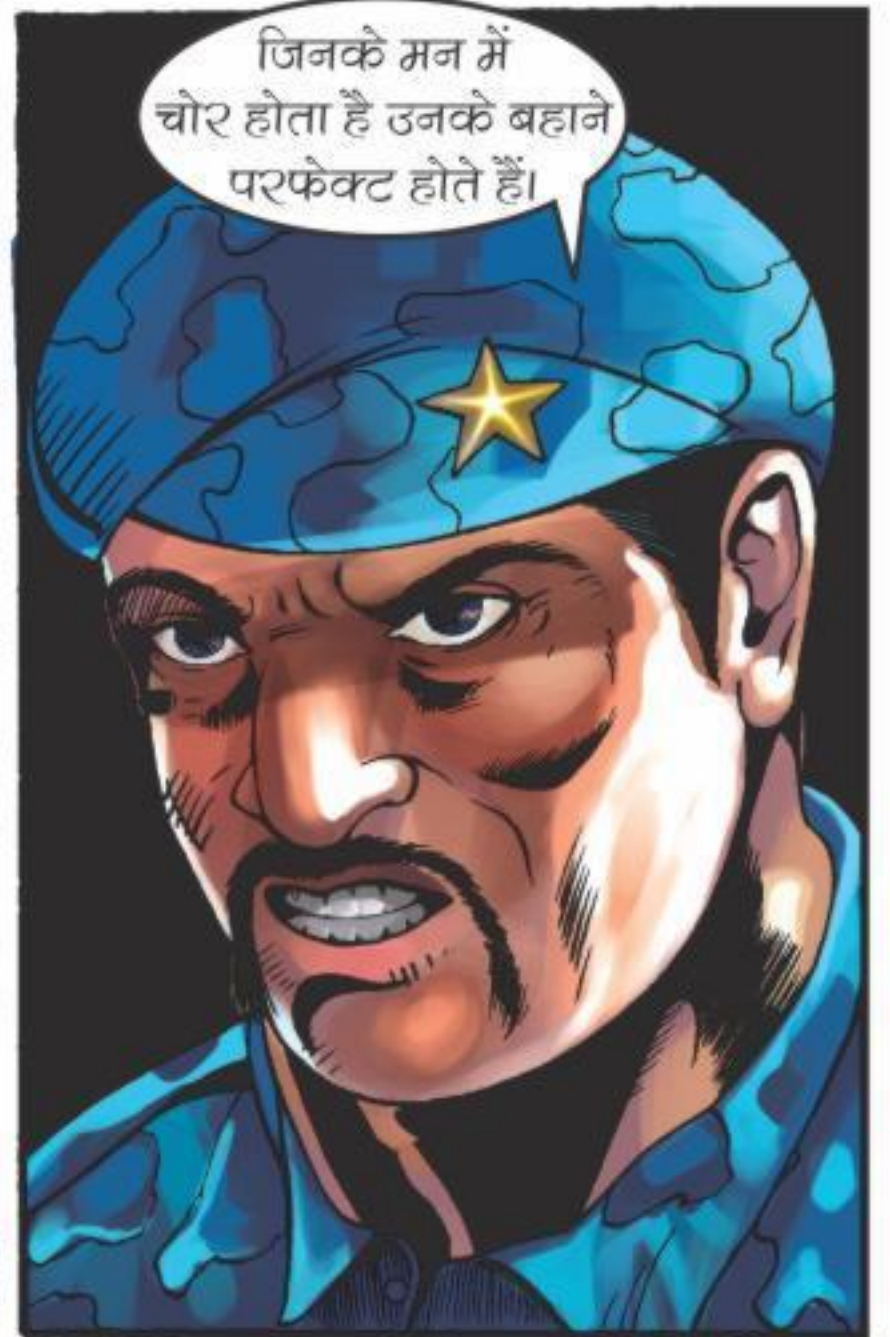
जिनके मन में चोर होता है उनके बहाने परफेक्ट होते हैं।

ALL RIGHT. अगर तुम लोग समझते हो कि इन बचकानी कोशिशों से अपने कैप्टन को बचा लोगे तो ये तुम्हारी भूल है। निखिल से हमने कुछ खिलौने बनवाए थे।
अब उनसे खेलने का वक्त आ गया है।

आज तो जंच रहे हो कैप्टन। देखो, सभी तुम्हें ही निहार रहे हैं। आज तो मुझे भी तुम्हें देखकर कुछ-कुछ...
श.श.श.! ये फलर्टिंग का समय नहीं है। अगर किसी ने पहचान लिया तो आफत आ जाएगी।
पहचानेगा कौन कैप्टन? तुम्हारे थीम पार्टी वाले आइडिया की कृपा से शहर की सारी पुलिस शहर भर में घूम रहे 121 ध्रुवों को पकड़ रही है।
वैसे तुम्हारी तारीफ करनी चाहिए क्या प्लान बनाया है। वो बेचारा तो सिर पीट रहा होगा कि आखिर असली ध्रुव है कहां?
अब तारीफें बहुत हो गई। कुछ काम कर लें? हमें वो बैग ढूंढ़ना है और पता करना है कि...
उस बैग में ऐसा क्या है जिसके लिए राघवन मरा जा रहा है।
इसके लिए हमें उसकी मां को ढूंढ़ना होगा जिसके बारे में या तो निखिल बता सकता है या अदिति, क्योंकि वो दोनों एक दूसरे के कॉन्टैक्ट में रहे हैं।
मुझे निखिल इतना बेवकूफ नहीं लगता। अदिति का फोन टेप होता था। अगर निखिल ने ऐसी कोशिश की होती तो अब तक पकड़ा जा चुका होता।
चक्कर कुछ और ही...OH MY GOD!
ये क्या बला है कैप्टन? देखने में क्रिकेट बॉल्स की तरह लग रही हैं। पर क्रिकेट बॉल्स ऐसे हवा में नहीं तैरतीं।
ये ऑटोमैटिक फ्लाइंग कैमराज हैं।
बाइक को उस गली में मोड़ो रेणु।
पर कैप्टन हमारा गेटअप तो...
OBJECT DETECTED
गेटअप तो बदलवा दिया तुमने, अपनी बाइक और बदल लेतीं तो ये मुसीबत पीछे न आती।
तुम पीछे बैठो रेणु, बाइक मैं चलाऊंगा।
OK कैप्टन!
बाइक जब ध्रुव चला रहा हो तो वो बाइक नहीं रहती, प्लेन बन जाती है।
क्योंकि वो जमीन में कम हवा में ज्यादा रहती है।
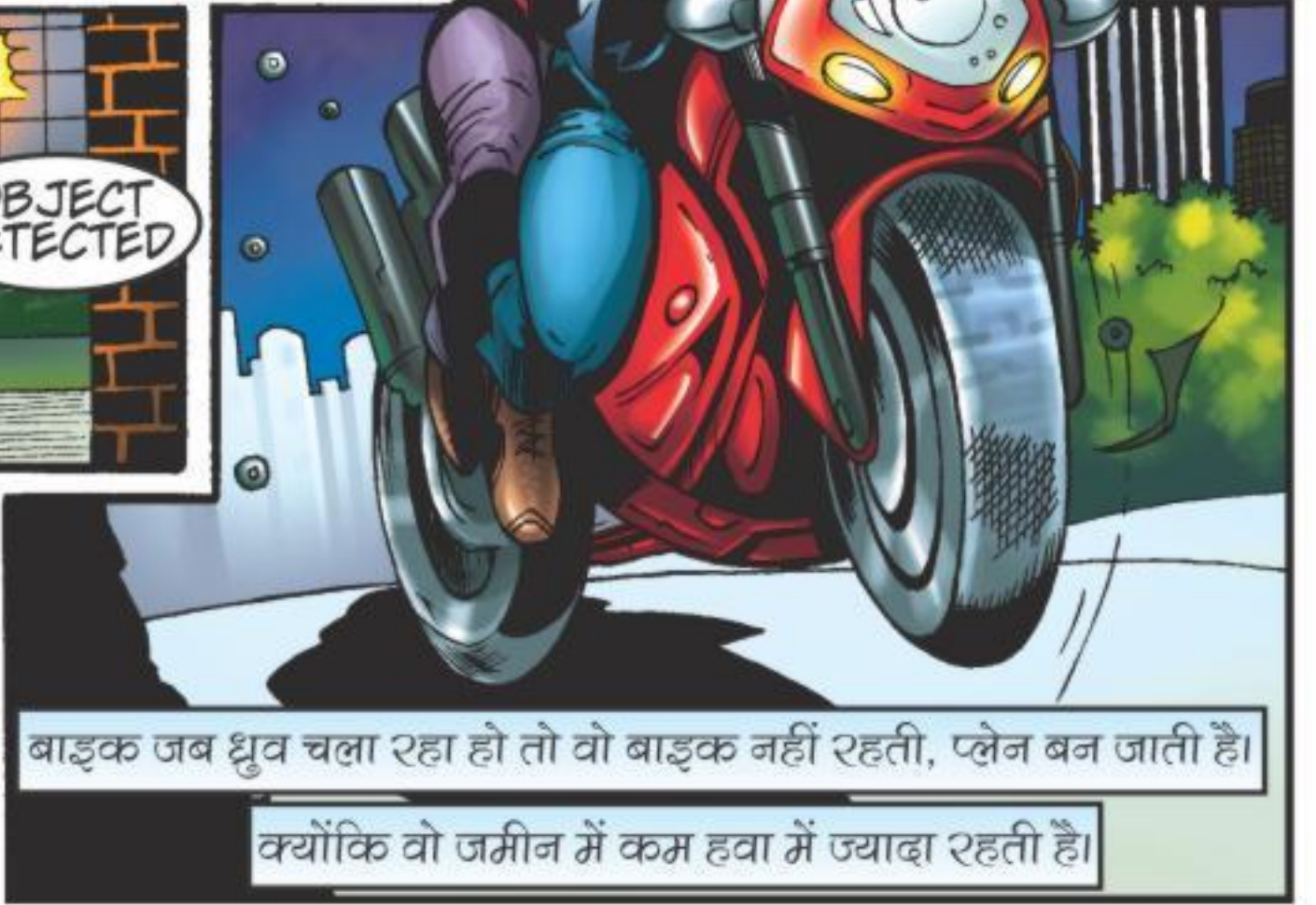
और हवा में चलने वाली चीज को सिर्फ एक ही चीज रोक सकती है...।
...जो खुद हवा में हो।
स्वागत है सुपर कमांडो ध्रुव।
रोबोटिक ग्लाइडर!
रेणु! जम्प!
ये...तो राघवन की आवाज है कैप्टन।
सही पहचाना कैडेट! मैं कर्नल राघवन ही हूं।
भड़ाम
सिर्फ एक अदने से शख्स को ढूंढने के लिए इन-हाइटेक गैजेट्स का यूज करना...
हम आर्मी वालों के लिए डूब मरने वाली बात है पर क्या करें?
जब सामने तुम जैसा जीनियस हो तो मात देने के लिए किसी जीनियस का ही सहारा लेना पड़ता है जैसे कि निखिल।
रेणु तुम यहां से जाओ।
पर कैप्टन?
जाओ!

कोई फायदा नहीं। न तो इस पर स्टार ब्लेड्स असर कर पा रहे हैं और न ही एसिड कैप्सूल।
अब इससे बचने का सिर्फ एक ही रास्ता नजर आ रहा है कि मैं...
इसे ही अपनी सवारी बना लूं।
पर ग्लाइडर को शायद यह मंजूर नहीं था कि कोई उसकी सवारी करे।
मगर जब सवार सुपर कमांडो ध्रुव जैसा हो तो कोई क्या करे।
ये लड़का है या...
ये ध्रुव है सर।
सुपर कमांडो ध्रुव।

SHUT UP! पुलिस कंट्रोल रूम को खबर करो कि उस इलाके को सील कर दें। ध्रुव बचकर निकल न पाए।

यस सर!

बच्चे, कैप्टन तेरा बाप है। तू लाख कोशिश कर ले वो तेरे हाथ नहीं आएगा।

ओह! पुलिस! मुझे जल्द से जल्द ग्लाइडर से छुटकारा पाना होगा।

और इसका सबसे आसान तरीका है कि...

इस ग्लाइडर को चक्कर घिन्नी बना दिया जाए।

बूम्म!!

हैंड्स अप ध्रुव! खुद को कानून के हवाले कर दो।

अब तो मेरी बैकअप टीम का ही भरोसा है।

ध्रुव ने पुलिस फोर्स से निपटने के लिए कुछ तैयारी कर रखी थी।

पर कम-से-कम ध्रुव का तरीका ये तो नहीं था।
भड़ाम
भड़ाम
भड़ाम
भड़ाम

ध्रुव जल्दी से निकल जाओ। हम तुम्हारे साथ हैं।
कौन हो तुम लोग!

ये वक्त इंटरव्यू का नहीं है। बटालियन 82 वाले आते ही होंगे। जल्दी निकलो यहां से।
हर्गिज नहीं। तुम लोगों ने पूरी-की-पूरी पुलिस फोर्स को उड़ा दिया। तुम लोग बचकर नहीं जा सकते।

फैसला कर लो ध्रुव! हमें पकड़कर मैडल लेना है या अपनी जान बचानी है।
वूऊऽऽऽ

फिलहाल मुझे उन नकाबपोशों का पीछा छोड़ना होगा। मगर ये जानकर रहूंगा कि मेरे अज्ञात मददगार कौन हैं।

राजनगर में स्थित OLD CITY।
इस जगह से पुराना रिश्ता है मेरा। पहले चैम्पियन किलर और फिर नताशा और आज मैं। क्या संयोग है। छिपने की इससे बेहतर जगह नहीं हो सकती थी।
ओह! रेणु का मैसेज!
हां रेणु बोलो कुछ पता लगा।
हां कैप्टन! पीटर ने अदिति की कॉल डिटेल्स निकाल लीं। सभी जान-पहचान के नम्बर हैं पर एक अजीब-सी बात दिखी।
दो नम्बर ऐसे हैं जिनकी कॉल ड्यूरेशन एग्जेक्ट 10 सेकेंड की है।
ठीक है। मैं वहां पहुंचता हूं।
तो निखिल इस गैजेट की मदद से कॉल करता था।
इसमें एक WRONG NUMBER का PRE RECORDED संदेश है जो 10 सेकेंड का है। फोन टैप करने पर यही संदेश सुनाई देता होगा।
मार्वलस! कमाल का दिमाग था पट्ठे में। पूरी बटालियन को अपने दिमाग के बल पर नचाकर रख दिया उसने।
मगर निखिल ने ये पीसीओ ही क्यों चुना।
ये चाइनीज बल्ब का यहां क्या काम? सजावट के लिए। ना ऽऽ आ! ये कुछ और है।
ओह! माइक्रो कैमरे निखिल ने इस बूथ को वॉच टॉवर बना रखा था यानी उसका अड्डा आस-पास होना चाहिए।
लेकिन इतनी भीड़-भाड़ वाली जगह में निखिल ने अपना अड्डा बनाया कहां होगा?
पूरा मार्केट छान मारा पर कोई भी ऐसी संदिग्ध जगह नहीं मिली जो निखिल का अड्डा हो सकती है पर मुझे पूरा विश्वास है कि निखिल का अड्डा यहीं-कहीं है। पर कहां?

मैं ध्रुव हूं। सुपर कमांडो ध्रुव। अ... आपसे निखिल के बारे में कुछ पूछना है।

वो...तो सरेंडर करने गया था। सब ठीक तो है ना? कहां है निखिल।

अ...वो ठीक है। मुझे आपसे उस बैग के बारे में जानना है। क्या है उस बैग में? आखिर राघवन उस बैग के पीछे क्यों पड़ा है।

ये तुझे हम बताते हैं।

तुम लोग?
हां बंदे को अबू इस्माइल कहते हैं। हम अल पाकीर के सदस्य हैं और उस बैग में बम है। टॉमी बम जो कि एटम बम का भी बाप है और वह हमें चाहिए।
अब्दुल! बैग ढूंढ़।
WHAT? निखिल के पास इतना खतरनाक बम था। I CAN'T BELIEVE THIS.
BELIEVE IT OR NOT. पर यह सच है और उसे बम उपलब्ध भी कराया है तेरी ही सरकार ने हमें मिटाने के लिए।
बम मिल गया इस्माइल भाई।
लो बम मिल गया। अब तुम्हारी उपयोगिता खत्म।
अच्छा खुदा हाफिज ध्रुव।
भून डालो दोनों को।
तड़
तड़
तड़
बचिए मां जी।
तड़
तड़
तड़
उफ् जगह छोटी है। बचने की जगह बहुत कम है इसलिए ये खेल जल्दी खत्म करना होगा।

मैग्जीन तो गई। अब ऐसा इंतजाम कर दूं कि ये तुरंत मैग्जीन न भर पाए और इसके लिए...।
...ये फ्लैश बम बिल्कुल सही रहेंगे।
बाकी का काम बिल्कुल आसान है।
अब तुम मुझे बताओगे इस्माइल की सारा माजरा क्या है।
ब...बताता हूं।
तड़
तड़
तड़
तड़

कैसे हो अबू इस्माइल।

कर्नल राघवन। खुशामदीद। आखिर आपसे मुलाकात हो ही गई। वैसे हम आपसे मिलने मिलिट्री बेस गए थे। आप तो ना मिले पर कुछ खास चीजें मिल गई सो हम उठा लाए।

मिलने-मिलाने का सिलसिला तो चलता ही रहेगा। फिलहाल तुम्हारे पास मेरी एक चीज है। उसे फौरन लौटा दो।

माफ कीजिएगा हुजूर मगर आपने वो चीज हमें बतौर नजराना पेश किया था।

आपका सपोला उसे पाकिस्तान तक लाया था हमें देने। अब यह चीज हमारी है और हम आपको आपके ही अंदाज में वापस करेंगे।

सपना देखना छोड़ दे अब्बू। खैरियत चाहता है तो...आह।

भड़ाम

ओह! मेरी आंखें धोखा खा रही हैं या फिर ये वाकई में जीनियस है।

"हैलिकॉप्टर को गिराने की नहीं बल्कि उतारने की कोशिश करनी चाहिए।"

"ये लिक्विड हवा के संपर्क में आते ही सूखना शुरू हो जाता है।"

"इससे हैलिकॉप्टर के ब्लेड्स के घूमने की गति रुकने लगेगी।"

सर! हैलिकॉप्टर अनियंत्रित हो रहा है। लगता है ब्लेड्स में कोई प्रॉब्लम हो गई है। इमरजेन्सी लैडिंग करनी पड़ेगी।

अब उसकी जरूरत नहीं है।

हे भगवान! ये तो जीनियस मेड ग्लाइडर है। ये इसके पास कहां से आ गया?
कटर एक्टीवेट।
हैं...ये क्या?
तुम?
कोई शक?
नहीं!
भड़ाम!
आह!
गुडबाय जीनियस।
दोजख मुबारक हो!
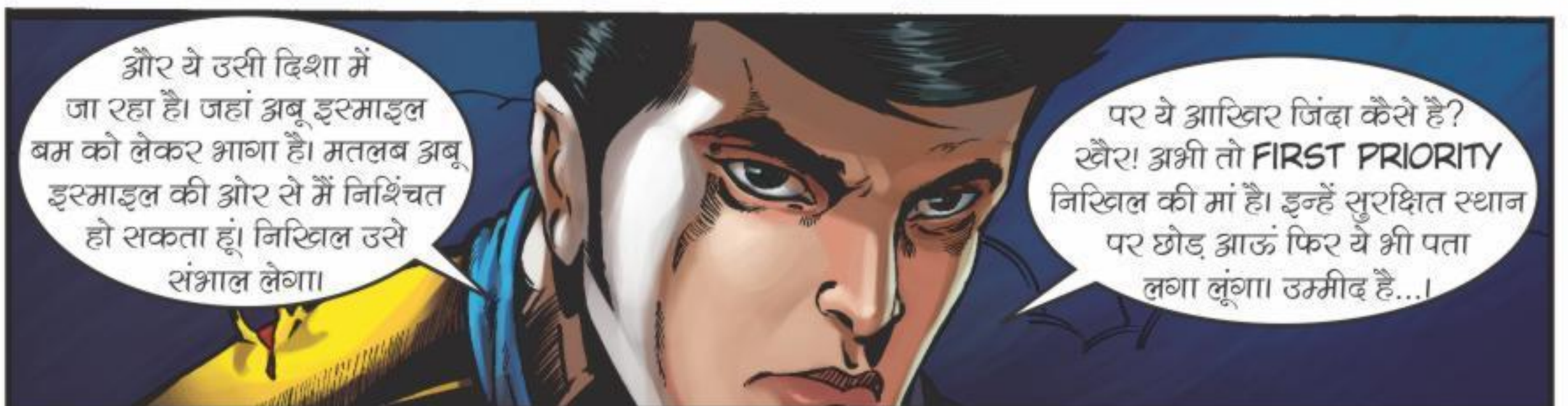
महानगर में ठप्प हो गया है जनजीवन। पानी की जगह लोग पी रहे हैं दूसरों का खून। फैल रहा है द्वेष और पनप रहा है गृह युद्ध। कारण है ट्रांसपोर्टर स्ट्राइक!
पर स्ट्राइक का कारण क्या है?
राज रजत वर्ष
RATHI TRANSPORT®
TATA
MILLS
कारण है गहरा
और दांव पर हैं
दो करोड़ जिन्दगियां।
पर चिंता की
क्या बात है
कोई भी प्रलय
आए...
नागराज है ना
By: अनुपम
JAGDISH 007
GOVIND RAM
राज कॉमिक्स में नागराज का आगामी रोमांचक विशेषांक!
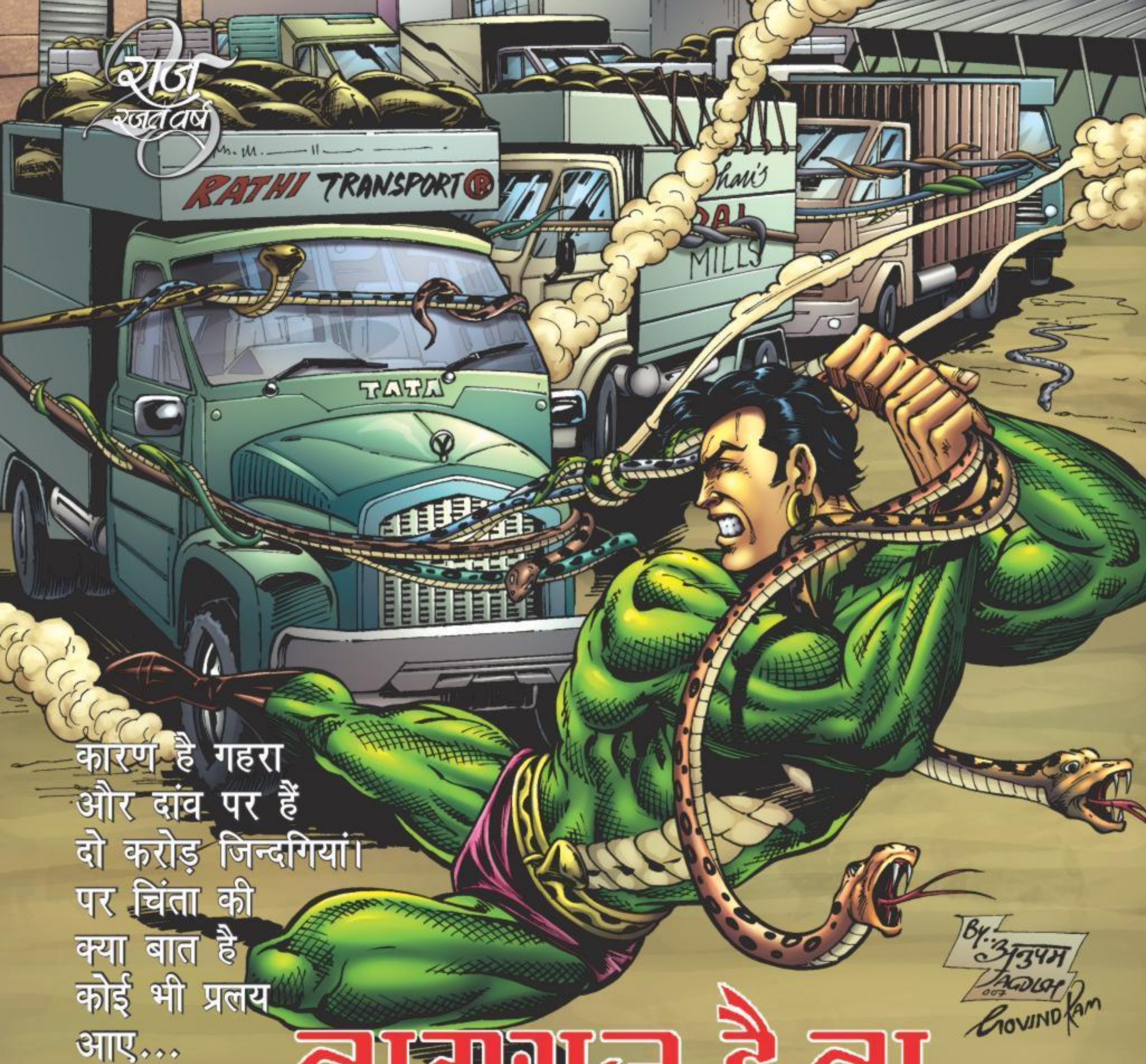
अब आप अपनी पसंद की सभी कॉमिक्स घर बैठे मंगा सकते हैं।

ध्रुव के उपलब्ध कॉमिक्स

मूल्य 15/-

- प्रतिशोध की ज्वाला
- रोमन हत्यारा
- आदमखोरों का स्वर्ग
- स्वर्ग की तबाही
- मौत का ओलम्पिक
- समुद्र का शैतान
- बर्फ की चिता
- रूहों का शिकंजा
- लहू के प्यासे
- महामानव
- वूडू
- मुझे मौत चाहिए
- बहरी मौत
- उड़नतश्तरी के बंधक
- एक दिन की मौत
- विनाश के वृक्ष
- चैम्पियन किलर
- आखिरी दांव
- वीडियो विलेन
- पागल कातिलों की टोली
- ब्लैक कैट
- रोबो का प्रतिशोध
- दलदल
- उड़ती मौत
- चण्डकाल की वापसी

मूल्य 30/-

- नागराज और सुपर कमांडो ध्रुव
- नागराज और बुगाकू
- ग्रेण्ड मास्टर रोबो
- आवाज की तबाही
- खूनी खिलौने
- किरीगी का कहर
- चुम्बा का चक्रव्यूह
- डॉक्टर वायरस
- सामरी की ज्वाला
- आत्मा के चोर
- वैम्पायर
- सुप्रीमा
- मैंने मारा ध्रुव को
- हत्यारा कौन

मूल्य 30/-

- सर्कस
- हत्यारी राशियां
- मौत के चेहरे
- कमांडर नताशा
- सजा ए मौत
- अंधी मौत
- षड्यंत्र
- महाकाल
- खूनी खानदान
- अतीत
- जिग्सा
- ध्रुव-शक्ति
- जंग
- दुश्मन
- क्विज मास्टर
- ममी का कहर
- कमांडो फोर्स
- बौना वामन
- कालध्वनि
- शह और मात
- आया चुम्बा
- चुम्बा सम्राट
- ध्रुव हत्यारा है
- शहंशाह
- शीतान
- ध्रुव खत्म
- अंत
- दूसरा ध्रुव
- डिजिटल
- मास्टर ब्लास्टर
- रोबॉट
- सुपर कमांडो ध्रुव
- सुपर हीरो
- फरिश्ता
- रॉबिन हुड
- चैलेंज
- मैं समय हूं
- भूचाल
- स्पाइडर
- वेबसाइट
- वर्ड वाइड वेब
- जीनियस

मूल्य 40/-

- राजनगर की तबाही
- संग्राम
- संहार
- खलनायक
- सम्राट
- विनाश
- तानाशाह
- कलियुग
- सौडांगी
- चक्र
- निशाचर
- मैड्यूसा
- वर्तमान
- फ्लेमिना
- मैच
- गुप्त
- फास्ट फॉरवर्ड
- ध्रुविष्य
- आखिरी ध्रुव
- सुपर मैन
- स्टेच्यू
- गेम ओवर

मूल्य 50/-

- विध्वंस
- सर्वशक्तिमान
- सर्वनाश
- वरण काण्ड
- ग्रहण काण्ड
- हरण काण्ड
- शरण काण्ड
- दहन काण्ड
- रण काण्ड
- समर काण्ड
- कोहराम
- जलजला
- परकाले
- ड्रैकुला का अंत
- कोलाहल
- अवशेष
- चुनौती

मूल्य 100/-

- इति काण्ड

order all your favorite comics at www.rajcomics.com

इसी सैट के कॉमिक

- हेड्रॉन (नागराज व ध्रुव का विशेषांक) (मूल्य : 50/-)
- लक्ष्य बेधी (डोगा का विशेषांक) (मूल्य : 30/-)
- डेड और अलाइव (ध्रुव का विशेषांक) (मूल्य : 30/-)
- हम होंगे कामयाब (ध्रुव, तिरंगा, परमाणु व वक्र का विशेषांक) (मूल्य : 30/-)
- नागराज 2 (नागराज का टू इन वन डाइजेस्ट) (नागराज की हांगकांग यात्रा, नागराज और शांगो) (मूल्य : 40/-)
- बांकेलाल 5 (बांकेलाल का थ्री इन वन डाइजेस्ट) (मूल्यः 50/-) (पाताल राक्षस, राक्षसों की खेती, बांकेलाल और धरती जकड़)

अगामी सैट के कॉमिक

- आदमखोर (नागराज का विशेषांक) (मूल्य : 50/-)
- सदाचारी बांकेलाल (बांकेलाल का विशेषांक) (मूल्य : 30/-)
- चांदनी चौक टू चाईना (टोड्स का विशेषांक) (मूल्य : 30/-)
- पराजय (पंचनाग का विशेषांक) (मूल्य : 30/-)
- नागराज 3 (नागराज का थ्री इन वन डाइजेस्ट) (खूनी खोज, खूनी यात्रा, नागराज का इंसाफ) (मूल्य : 50/-)
- बांकेलाल 6 (बांकेलाल का थ्री इन वन डाइजेस्ट) (मूल्यः 50/-) (देवता की मणि, बांकेलाल कंकाल लोक में, बांकेलाल देवलोक में)

आप अपनी मन पसंद की कॉमिक्स हमारे On Line Store से अथवा डाक द्वारा Order भेजकर मंगा सकते हैं।

● Online Order देने की प्रकिया बहुत ही सरल है www.rajcomics.com पर Login करने के बाद आप Store में Enter करके अपना Order दे सकते हैं व पेमेंट करने के बहुत से विकल्पों में से एक चुन सकते हैं। Online Orders पर डिस्काउंट भी दिया जाता है लेकिन डाक खर्च आपको देना होता है।

● डाक द्वारा कॉमिक्स मंगाने के लिये आदेशित कॉमिक्स के मूल्य का मनीआर्डर "राजा पाकेट बुक्स, 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-84" के नाम अथवा किसी भी बैंक से राजा पॉकेट बुक्स के नाम Payable at Delhi का ड्राफ्ट बनाकर भेज सकते हैं। डाक द्वारा Order देकर कॉमिक्स मंगाने पर आपको डिस्काउंट नहीं मिलेगा लेकिन डाक खर्च हम वहन करेंगे। पूरी जानकारी के लिए 9911883882 पर ORDER INFO SMS करें

प्रकाशकः राज कॉमिक्स (राजा पॉकेट बुक्स की एक इकाई)
330/1, बुराड़ी, दिल्ली-110084
फोनः 27611410 email:bizdev@rajcomics.com

दिल्ली में वितरक : नागराज नावल्टीज, 112, फर्स्ट फ्लोर, दरीबा कलां, दिल्ली-110006. फोनः 23251109, 23251092, 32500860

पैराशूट एक्टीवेट।

जो करना था वो भी नहीं हुआ और बम भी हाथ से गया।

अब इनकी तबीयत कैसी है डॉक्टर।
चोट ज्यादा गहरी नहीं है ध्रुव। ये बस शॉक्ड होने के कारण बेहोश हैं। जल्द ही ठीक हो जाएंगी।

थैंक्यू डॉक्टर। ये जानने के बाद भी कि मेरे खिलाफ शूट एट साइट का ऑर्डर है फिर भी आपने...।
कहने की जरूरत नहीं है ध्रुव। दुनिया कुछ भी कहे मुझे तुम पर यकीन है।

आह!

लो इनको होश आ गया अब तुम आराम से बातें करो मैं चलता हूं।

थैंक्स डॉक्टर।

मां जी! मेरे पास ज्यादा समय नहीं है। प्लीज मुझे सब कुछ बताइए क्या हुआ था?
निखिल बचपन से ही तेज दिमाग का था और यही दिमाग उसके लिए अभिशाप बन गया।

"हमारा हंसता-खेलता एक छोटा सा खुश परिवार था।"
"निखिल के पिता आतंकवादियों से लड़ते हुए शहीद हुए थे।"
"तब निखिल सात साल का था।"
"इसी परिवार का हिस्सा था 'राघवन' जो निखिल के पिता का अच्छा दोस्त था।"
"इस हादसे ने निखिल के अंदर आतंकवादियों के प्रति बेपनाह नफरत भर दी थी।"
"पर इसका प्रभाव निखिल की पढ़ाई पर नहीं पड़ा।"
"12 वर्ष की उम्र में उसने 12वीं पास कर सभी को चकित कर दिया!"
"और उसके इसी कारनामे ने उसे IIT परीक्षा में हिस्सा लेने का प्रबल दावेदार बनाया और निखिल ने TOP किया।"
"ऐसे में राघवन के उस ऑफर ने निखिल को कुछ राहत दी।"
"पर इस सब ने निखिल के साथ कुछ अच्छा नहीं किया।"
"उल्टा उससे उसका बचपन छीन लिया।"
मैं चाहता हूं निखिल हमारे साथ पार्ट टाइम रीसर्च करे! इसका अकेलापन भी दूर होगा और साथ ही बहुत कुछ सीखेगा भी।

"निखिल को जैसे उसके सपनों की दुनिया मिल गई थी।"
YOU ARE GENIUS NIKHIL.
"अपने दिमाग के बल पर उसने अपनी जगह वहां पक्की कर ली।"
"अब निखिल वहां फुल टाइम रिसर्च करने लगा।"
"उस दुनिया में उसे दोस्त और प्रशंसक भी मिले।"
"उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा जब उसने अपना ड्रीम प्रोजेक्ट पूरा कर लिया।"
"एक के बाद एक कई प्रोजेक्ट्स पर काम किया उसने।"
ये एक ट्रिगरिंग टेक्नोलॉजी है सर! इसके उपयोग से आप दूर बैठे ही किसी भी चीज को कंट्रोल कर सकते हैं। ये इंसान की ब्रेन वेव्स पर काम करती है।
GREAT! यह आविष्कार तो आर्मी के बहुत काम आ सकता है। WELL DONE MY BOY.
"पर आर्मी से ज्यादा वो डिवाइस राघवन के काम की थी।"
निखिल! तुम्हें एक टॉप सीक्रेट मिशन पर पाकिस्तान भेजा जा रहा है।
वहां आतंकियों के हाथ परमाणु हथियार लग गए हैं। वहां की सरकार इससे बे-खबर है। हमें उन हथियारों की लोकेशन पता कर उन्हें निष्क्रिय करना है।
इसके लिए हमने एक ऐसा बम तैयार किया है जो एटम बॉम्ब्स को निष्प्रभावी कर देता है।
तुम्हारे पास अपने पापा की मौत का बदला लेने का यही मौका है।

"निखिल को आवश्यक ट्रेनिंग देकर तैयार किया गया।"
"जब जाने का समय आया मुझे झूठ बताया गया।"
सरकार ने निखिल को सम्मानित किया है और उसे एक महीने के लिए अपने अनुसंधान केंद्र बुलाया है।
मुझे पता था मेरा बेटा अपने पापा का नाम रोशन करेगा।
"पर जाने की हड़बड़ी में निखिल की डिवाइस डैमेज हो गई जिसे सुधारने में वक्त लगना था।"
जल्दी करो हम लेट हो रहे हैं।
उफ्! समय नहीं है। मैं अपने ट्रिगर को राघवन अंकल के ट्रिगर से जोड़ देता हूं वापस आकर ठीक कर लूंगा।
"पाकिस्तान पहुंच कर निखिल ने अपना काम शुरू कर दिया।"
"बच्चा होने की वजह से उस पर किसी का शक भी नहीं गया।"
"जो काम BATTALION-82 सालों में नहीं कर पाई थी वो निखिल ने एक महीने में कर दिया।"
"उसे वहां से जो भी जानकारी मिली वो उसने राघवन को बता दी।"
सर आतंकियों के पास कुल तीन बॉम्ब्स हैं। और तीनों ही कैम्प के काफी नीचे जमीन में है।
शाबाश निखिल। बॉम्ब्स की EXACT LOCATION बताओ।
नोट कीजिए सर।

"निखिल का अगला काम था कैम्प को नष्ट करना।"

निखिल! तुम्हें बम प्लांट कर सुरक्षित निकलने में कितना समय लगेगा।

करीब एक घंटा।

"काम आसान नहीं था।"

"जैसे-तैसे नजरें बचाकर निखिल बम कैम्प में ले आया।"

"पर बैग खोलते ही निखिल का दिमाग भक्क से उड़ गया।"

ये क्या?ये...ये तो मेरी ट्रिगर डिवाइस है। और..और ये तो टॉमी बम है। जो कि 100 किलोमीटर के दायरे में परमाणु बमों में ब्लास्ट कर देगा।

यानी मुझसे झूठ बोला गया। प्लान पूरे पाकिस्तान को तबाह करने का है पर इससे तो लाखों बेगुनाह भी मारे जाएंगे। मुझे लौटना होगा।

अच्छा हुआ डिवाइस डेमेज होने की वजह से इसका पूरा कंट्रोल राघवन सर के हाथ में नहीं गया।

"निखिल बम लेकर भारत लौट आया। पर उसका वापस लौटना उसके लिए नई मुसीबतें खड़ी कर गया।"

"निखिल को आतंकवादी समझ गिरफ्तार कर लिया गया।"

"बेहिसाब टॉर्चर के बाद भी निखिल ने राघवन के अलावा किसी को रिपोर्ट करने से इंकार कर दिया।"

"राघवन छुट्टी पर था इसलिए 6 जूनियर्स निखिल से सच्चाई जानने आए।"

"पर सच्चाई जानना उनके लिए भारी पड़ा। राघवन ने उन छः ऑफिसर्स को मार दिया और इल्जाम निखिल पर डाल दिया।"

बस उसके बाद से निखिल अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए इधर से उधर भाग रहा है। उसने सरकार से बात करने की कोशिश की पर कोई फायदा नहीं हुआ। आगे की कहानी तुम जानते ही हो ध्रुव।
निखिल देश का सच्चा सपूत... है मां जी। मैं वादा करता हूं मैं उसे इंसाफ दिलाऊंगा।
बोलो करीम। क्या पता चला?
खबरें बहुत सारी हैं कैप्टन और दुर्भाग्य से सारी ही बुरी हैं। कौन सी सुनाऊं।
तुम खबर सुनाओ अच्छी या बुरी मैं डिसाइड करूंगा।
जीनियस बैग बचाने में नाकाम रहा। आतंकियों ने मिलिट्री कैम्प पर हमला कर निखिल के बनाए सारे गैजेट्स लूट लिए।
तुम पर पचास लाख का इनाम रखा गया है जिंदा या मुर्दा। हमारे सारे कैडेट्स नजरबंद कर दिए गए हैं। शहर में कर्फ्यु का माहौल है।
अदिति घर से गायब है उसका कुछ पता...
राघवन के बारे में क्या पता चला?
राघवन के रिकॉर्ड के हिसाब से वो बहादुर और सच्चा देश भक्त दिखता है। उसने 1981 में अबू इस्माईल को पकड़कर नाम और मैडल दोनों कमाए। तब से आज तक उसके कारनामे मिसालें बन गईं। समझ में नही आता ऐसा शख्स तुम्हारे या निखिल के पीछे क्यों पड़ा है?
इसे सनक कहते है करीम। खैर छोड़ो अब ध्यान से सुनो तुम्हें एक जरूरी काम करना है। मुझे कुछ जरूरी चीजें चाहिए।
OK कैप्टन।

बॉम्ब बनाया तो हमारे मुल्क को तबाह करने के लिए था पर अल्लाह सब देखता है। उसी की मेहर से दुश्मन के नापाक मंसूबों पर पानी फिर गया और चक्कर कुछ यूं चला कि...

जिसका जूता उसी का सिर वाली कहावत जिंदा हो रही है।

तो राजनगर वासियों, जाहिर है सभी को अपनी और अपनों की जान प्यारी होगी पर जान बचाने का समय कम है। आपके पास केवल दो घंटे हैं।

तो जल्दी कीजिए ऑफर सीमित समय के लिए है। जान बचाना चाहते हो तो दो घंटे के अंदर राजनगर खाली कर दो। पर एक करोड़ लोगों के लिए सिर्फ 2 घंटे? बहुत नाइंसाफी है।

ध्रुव ने हमें किस मुसीबत में डाल दिया। चलो जी, हम आज ही ये शहर छोड़ देंगे।

लेकिन जाएंगे कहां? उसके पास दीवाली का पटाखा नहीं है। हम कितना भी भाग लें पर बच नही पाएंगे।

मिस्टर राघवन। हमने बटालियन 82 बनाई। आपको इतने अधिकार सौंपे। पर नतीजा क्या हुआ? कैसे पहुंचा उनके पास वो खतरनाक बम।

सर हम जांच कर रहे हैं। जल्द ही सारे आतंकी बम सहित हमारे कब्जे में होंगे।

कब? जब आतंकी राजनगर उड़ा देंगे? लुक मिस्टर राघवन। हमने आपको पैसा दिया, पॉवर दी, आपके किसी ऑपरेशन के बारे में हमने पूछा तक नहीं। ये सब इसलिए नहीं कि आतंकी हमारे ही घर में घुसकर दीवाली मनाकर चले जाएं।

सर आप फिक्र मत कीजिए। आतंकियों ने बम हथिया जरूर लिए हैं पर उसे एक्टिव नहीं कर पाएंगे।

क्यों नहीं कर पाएंगे? क्या वो आपकी परमिशन का इंतजार करेंगे?

पूरा राजनगर खाली करवाया जा रहा है। शहर में अफरा-तफरी का माहौल है और समय ना के बराबर!

अफरा-तफरी का माहौल तो है सर पर बे-वजह! आप चाहें तो राजनगर वासियों को इत्मिनान से घर बैठने को कह सकते हैं। उन पर आंच तक नहीं आएगी।

और ये राघवन का आपसे वादा है। जय हिंद सर!

हैलो राघवन हियर! हमारी पूरी युनिट को तैयार करो। तुरंत महारानी पैलेस पहुंचो। हमें बाकी सुअरों का शिकार करना है।
राघवन ने तो शिकार करने की ठान ली थी।

शिकार को घेरा भी जा चुका था-
सरेंडर कर दो अबू इस्माइल तुम्हें घेरा जा चुका है। बचने का कोई रास्ता नहीं।

पर मौत की इस आंख मिचोली में शिकारी खुद कब शिकार बन जाए...
हम सिर्फ तीन तक गिनेंगे... एक...दो...

ये कहना मुश्किल है।
भड़ाऽऽऽऽऽम!

पलक झपकते ही मैदान खाली हो गया।
हा हा हा! बटालियन 82 जो हमें हमारी भाषा में जवाब देने आयी थी। मिल गया जवाब।

क्या वाकई?
युनिट 1 पुरी तरह खत्म हो गई सर।
हमें उन पर गर्व है। हिन्दुस्तान हमेशा उनकी शहादत को याद रखेगा। हम पर उनकी शहादत का कर्ज है उसे चुकाने का समय आ गया है।
जीतेगा कौन?
खाकी!
हारेगा कौन?
पाकी!
तड़
तड़
तड़
आह!
जंग में हर पैंतरे आजमाने पड़ते हैं।

कभी दुश्मन के सामने चारा रखना पड़ता है।
तो कभी खुद चारा बनना पड़ता है।
तू फिर मरने चला आया लड़के।
आदत से मजबूर हूं।

तो मर।

इस बार नहीं।
रिवर्सर एक्टीवेट।
आह।
आह।
आह।
जीनियस ने अपने रास्ते की बाधा पार कर ली थी।
अब आगे का रास्ता बिल्कुल साफ था।
कम से कम जीनियस ने तो यही सोचा था।

अक
वेलकम जीनियस वेलकम। हमें पता था हमारे जांबाज साथी भी तुमको रोक नहीं पाएंगे आखिर तुम जीनियस जो ठहरे।
छपाक!
ऊं...ऊं.ऊं
बेकार कोशिश है मिस्टर जीनियस ये खास ऐड्हेसिव है जो तुरंत सूख जाता है और फिर उसे अलग करना आसान नहीं है।
अब ना तो तुम्हारी जुबान खुलेगी और ना ही कोई गैजेट्स काम में आएंगे।
वैसे तो मैं तुझे गोलियों से भुनवा डालता। पर तूने हमारे गढ़ में घुसकर हमारी नाक के नीचे जासूसी का लंबा खेल खेला है।
गुंऽऽऽ!
गुंऽऽऽऽऽऽऽ।
तुझे तो मैं अपने हाथों से सजा दूंगा।

उसकी आंखें प्रतिद्वंद्वी को मन ही मन तौल रही थीं।
घबराना मत जीनियस मैं तुम्हें बचा लूंगा।
बस थोड़ा इंतजार करो।
ध्रुव की बाइक खंभे की आड़ से बाहर आ चुकी थी।

तड़ तड़ तड़
लोग कहते हैं जब ध्रुव बाइक पर होता है तो उसकी रफ्तार गोली से भी तेज होती है।
इसलिए गोलियां हमेशा बाइक से पीछे ही रहती हैं।
लोग ये भी कहते हैं जब ध्रुव सामने हो तो...
दुश्मन सिर्फ एक ही काम कर सकता है...।
पिटने का।
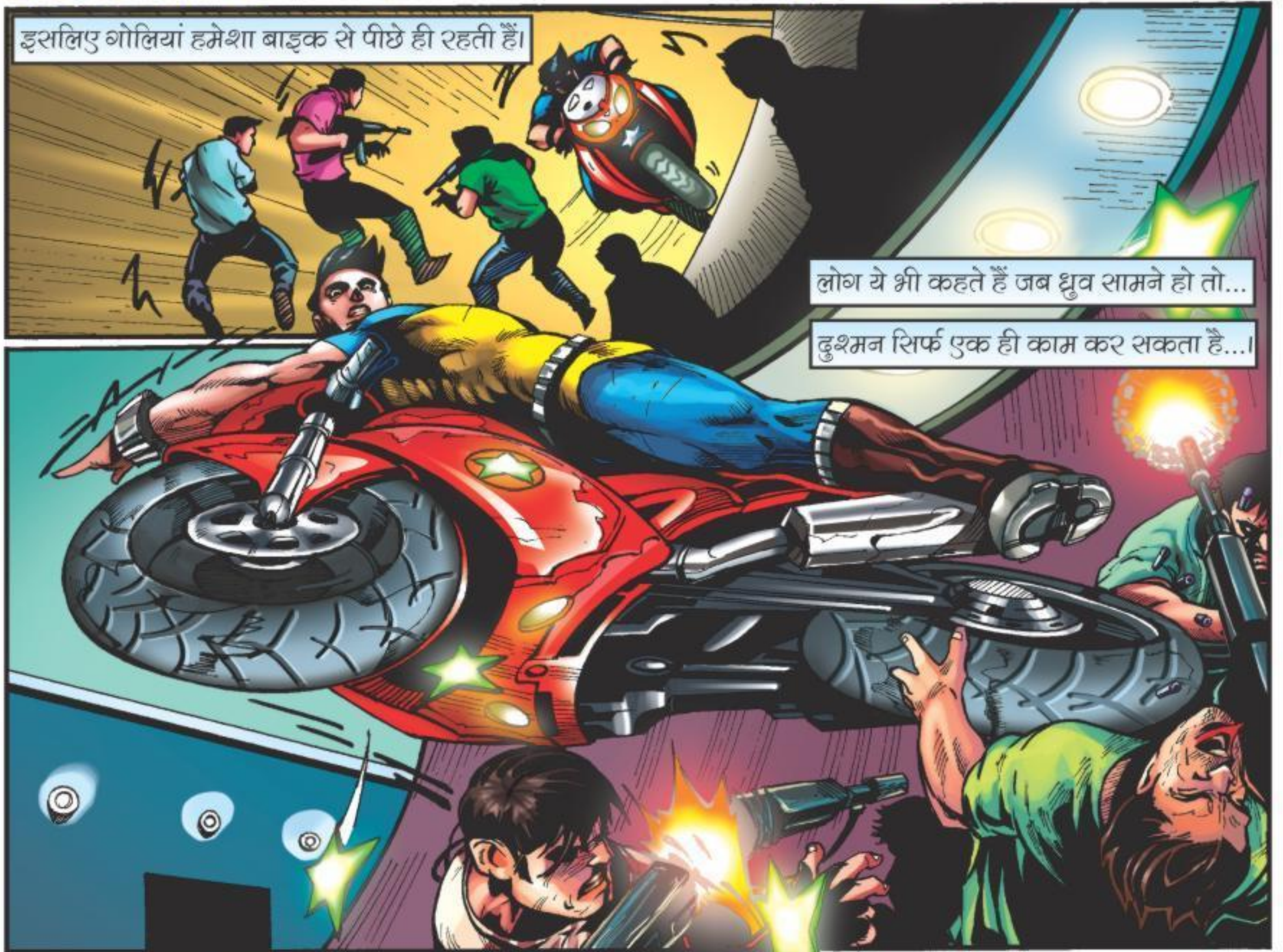
बता अबू इस्माईल कहां है? कहां रखा है टॉमी बम। बता! वरना...
ये गीदड़ भभकी किसी और को देना। हम जिहादी हैं। वतन के लिए जान भी कुर्बान कर सकते हैं।
सिर्फ जान ही कुर्बान कर सकते हो या कुछ और भी।
कड़ाक!
आऽऽऽऽ
बताते हो या परमानेंट अपाहिज बना दूं?
ब...बताता हूं।
वो आतंकी टेपरिकॉर्डर की तरह चालू हो गया था।
गुड! ये सब पहले बता देते तो एक उंगली नहीं गंवानी पड़ती। खैर देर आए दुरुस्त आए।
आहऽऽऽ

जीनियस! तुम ठीक तो हो जीनियस! घबराना नहीं मैं...
अदिति! तुम?
ये...ये तुमने क्या किया अदिति? मैं समझा था कि निखिल...पर ये तो तुम...उफ्! क्यों किया तुमने ऐसा?
अपने निखिल के लिए ध्रुव! अपने निखिल के माथे से आतंकवादी होने का कलंक मिटाने के लिए। पर यह सब मैं निखिल के तरीके से ही करना चाहती थी...आह! जीनियस के ही रूप में। पर मैं जीनियस नहीं बन पाई।
अपनी कसम पूरी नहीं कर पाई मैं। मेरा निखिल होता तो इन आतंकवादियों और राघवन दोनों को रोक लेता। वो वाकई में जीनियस था।
मैं...आह! मैं तो निखिल को इंसाफ नहीं दिला पाई ध्रुव! पर...पर मुझे यकीन है तुम मुझे और निखिल को इंसाफ दिलवाओगे! वादा करो ध्रुव दिलवाओगे ना?
हां अदिति। मैं वादा करता हूं। पर तुम्हें कुछ नहीं होगा तुम अपनी आंखों से निखिल को बेगुनाह साबित होता देखोगी।
नहीं ध्रुव! इतना समय नहीं है। सोचा तो था निखिल को बेगुनाह साबित कर उसकी आखिरी निशानी के सहारे ही अपना जीवन गुजार दूंगी। पर किस्मत ने साथ ना दिया...आह!
मेरे बाद निखिल की आखिरी निशानी...जीवन की आखिरी उम्मीद...।
नहीं अदिति! उठो। उठो अदिति। तुम ऐसे नहीं जा सकती अदिति। उठो।
अब वो नहीं उठेगी ध्रुव।

साइंटिस्ट्स के नाम पर धब्बा हो तुम सब के सब। एक बम एक्टिवेट नहीं कर पर रहे हो तुम सब।
सर ये बम कुछ अलग तकनीक से बना है। सबसे अजीब चीज है इस बम पर लगी ये अजीबो-गरीब डिवाइस। इसी ने बम को BLOCK कर रखा है और इसके सर्किट बम के अंदर तक जा रहे हैं। इसे हटाते ही बॉम्ब एक्स्प्लोड कर जाएगा। इसे डिएक्टीवेट करने में ही समय लग रहा है।
सब निकम्मे हो! जो करना है जल्दी करो। समय कम है।

तुम! ये सब तुम्हारी वजह से हुआ है राघवन!
क्या बिगाड़ा था निखिल और अदिती ने तुम्हारा? अपने आप को देश का रक्षक बोलते हो तुम? जल्लाद हो तुम राघवन।
ऐसा जल्लाद जो अपने फायदे के लिए मासूम बच्चों तक की बलि चढ़ाने से नहीं चूकता। क्यों किया तुमने ये सब?
मैं जल्लाद नहीं हूं ध्रुव।

निखिल या अदिति से मेरी कोई दुश्मनी नहीं थी ध्रुव। मेरी दुश्मनी सिर्फ और सिर्फ देश के दुश्मनों से है और वो दुश्मनी भी बे-वजह नहीं है।
जिस इंसान ने अपने भाई को बचपन से मां-बाप की तरह पाल पोस कर बड़ा किया। अपने से भी ज्यादा प्यार किया। वो एक दिन घर की चौखट पर सफेद चादर ओढ़े फिर कभी ना उठने के लिए पड़ा मिले तो क्या बीतेगी उस भाई पर?

1928 की बात है। मेरा भाई तब 16 साल का था बार्डर पार से आए कुछ आतंकवादियों ने सेंट मेरी स्कूल के 864 बच्चों को स्कूल में ही होस्टेज बना लिया था। अपनी मांग मनवाने के लिए।
फैसले में देरी की दशा में हर एक घंटे में एक बच्चे की लाश स्कूल से बाहर भेज रहे थे वो।

कुल 13 बच्चों की बलि ले ली थी उन आंतकवादियों ने। उनमें से एक मेरा भाई भी था।
सोचा था बड़ा होकर आर्मी जॉइन कर देश पर शहीद होगा। पर छोटी सी उम्र में ही उसे कुत्ते की मौत मार दिया आंतकवादियों ने।
आंतकवाद और आंतकवादी बनाने वालों के लिए बेइन्तहा नफरत भरी है इस दिल में। बस किसी भी तरह उनका समूल नाश करना ही एक मात्र लक्ष्य था मेरा।

निखिल में अपने छोटे भाई को देखता था मैं। भाग्य से उसी के हाथों अपना लक्ष्य प्राप्त करने का मौका मिला था मुझे।
पर हालात बेकाबू हो गए। जो सोचा था उसका विपरीत होने लगा और निखिल मेरे खिलाफ हो गया।
अपने लक्ष्य को पूरा करने की चाह में अंधा हो गया था मैं और दुबारा अपने भाई को खो दिया। पर इस बार अपनी गलती से।
मुझे खुशी है MISTER RAGHWAN कि तुम्हें अपनी गलती का एहसास हुआ, पर जरा देर से। जल्द ही हो गया होता तो दो मासूम इस लड़ाई की भेंट ना चढ़े होते और अब सारा शहर इसकी भेंट चढ़ने वाला है।
जानता हूं ध्रुव तुम बम की बात कर रहे हो। पर चिंता मत करो उस पर निखिल का ट्रिगर लगा हुआ है। और बिना ट्रिगर कंट्रोलर के...।
"बॉम्ब एक्टिव नहीं हो सकता।"
"और वो ट्रिगर तुम्हारे पास है।"
OFF LINE
"ट्रिगर? मेरे पास कोई ट्रिगर नहीं है। राघवन।"

आखिर हिन्दुस्तानी कीड़ों को उन्हीं की लगाई आग में जलाने का वक्त आ ही गया।

बा...की... है।

सोचा थोड़ी साफ सफाई कर कूड़ा एक जगह इकट्ठा कर लिया जाए।

अब बस अपने सारे आदमियों को ले कर यहां से निकलना...।

तुम।

या अल्लाह! किसने किया ये सब?

यहां हर कोने में बहुत कूड़ा फैला हुआ था अबू।

बहुत अच्छा! अब यहां आ ही गए हो तो इस कूड़े के ढेर में शामिल होने को तैयार हो जाओ।

नहीं अबू! अभी ये ढेर अधूरा है ये ढेर तब पूरा होगा, जब तुम्हारा शरीर भी इसका हिस्सा बन जाएगा।

फिलहाल तो तुम सब इस शहर सहित राख के ढेर का हिस्सा बनने वाले हो काफिरों। तुम्हारे सपोले का बनाया खिलौना अब तुम सबकी मौत बनेगा।
ओह गॉड। इसका इशारा बॉम्ब से है। इसने बॉम्ब एक्टीवेट कर लिया? कैसे?
हो सकता है झूठ बोल रहा हो। चैक करना होगा।

मिस्टर राघवन। मैं अंदर जाऊंगा बॉम्ब डिफ्यूज करने और तुम्हारी जिम्मेदारी होगी अबू को भागने से रोकना।
ठीक है कमांडो। ALL THE BEST.
THANX! ALL RIGHT NOW. THREE TWO...

ONE. ATTACK.
तड़
तड़
तड़

जिस बम को चालू करने में इतनी जद्दो जहद हुई। क्या उसे डिफ्यूज करना आसान होगा?

राघवन के मुताबिक बम एक्टीवेट सिर्फ ट्रिगर की मदद से किया जा सकता था या फिर तब जब ट्रिगर इनएक्टिव हो जाए।

अब उसे डी-एक्टिवेट करने के लिए भी ट्रिगर की जरूरत है जो कि राघवन के मुताबिक मेरे पास होना चाहिए था।

अब या तो अबू ने ट्रिगर की मदद से बॉम्ब एक्टीवेट किया या ट्रिगर इनएक्टिव हुआ है और ऐसा तब हो सकता है जब वो चलाने वाले के संपर्क में ना रहे।
चलाने वाला उसे अपने से दूर कर ले या उसकी मौत हो जाए। मतलब दिमाग शून्य हो जाए।

ऐसा कौन हो सकता है जिसने ट्रिगर अपने से दूर कर लिया हो?
अव्वल तो बात ये है कि निखिल ने मरने से पहले ट्रिगर सौंपा किसे? कौन है जिसे ट्रिगर के बारे में पता है।

OH. बॉम्ब एक्टिव है और जीवन मृत्यु का फैसला होगा ठीक 45 MINUTE बाद।
किसके पास होगा ट्रिगर? वही एक मात्र जरिया है तबाही को रोकने का।
45 : 08
ACTIVE

समय बीतता जा रहा है और कोई राह नजर नहीं आ रही।
निखिल ट्रिगर ऐसे शख्स को देगा जिस पर वो सबसे ज्यादा भरोसा करता हो और जो जरूरत पड़ने पर आसानी से ट्रिगर चला सके।

निखिल की मां इस कसौटी पर खरी नहीं उतरती क्योंकि निखिल की मां टेक्नोलॉजिकली इतनी एडवान्स नहीं हैं। निखिल ट्रिगर अपनी ही तरह के किसी शख्स को देगा।
कौन हो सकता है। अदिति। OH YES. अदिति।
उसी का दिमाग शून्य हुआ होगा जिससे ट्रिगर इनएक्टिव हुआ होगा।
जिस तरह अदिति कॉन्फिडेन्टली आतंकवादियों और बॉम्ब को रोकने जा रही थी
इसका मतलब वो ट्रिगर के बारे में जानती थी। हो न हो ट्रिगर उसी के पास है।
मुझे जल्द से जल्द अदिति तक पहुंच कर ट्रिगर ढूंढना होगा।
पर मैं ट्रिगर को पहचानूंगा कैसे? अदिति के पहने हुए जीनियस सूट में न जाने कितने गैजेट्स होंगे। ऐसे में ट्रिगर को ढूंढना भूसे में सुई ढूंढने जैसा होगा।
पर कोशिश करने के अलावा कोई चारा है भी नहीं। भले ही रिजल्ट शून्य क्यों ना हो।
ट्रिगर अदिति के पास भी नहीं हैं।
तो फिर ट्रिगर आखिर जा कहां सकता है।

रही सही आखिरी उम्मीद भी जाती रही। अब आखिरी क्षण गिनने के अलावा कोई रास्ता नहीं है।

पर अपनी मौत का अफसोस करते हुए नहीं मरना। जिस तरह निखिल अपने आखिरी क्षणों में भी मुस्करा रहा था उसी तरह मौत को गले लगाना होगा। आखिरी क्षण... आखिरी...अंतिम...

जीवन की आखिरी उम्मीद।

बॉम्ब एक्टिव है और इसको रोकने के लिए हम कुछ भी नहीं कर सकते। मेरी एक जिद के चलते आज ये देश खतरे में पड़ गया।

मैं ट्रिगर ले आया हूं राघवन! अब जल्दी से इस बम को डी-एक्टीवेट करो।
ट्रिगर मिल गया। THANK GOD! तुम...तुमने बचा लिया ध्रुव...वर्ना...THANX!
एक दूसरे को धन्यवाद देने का समय नहीं है राघवन। जल्दी करो वरना हमें एक-दूसरे को धन्यवाद दूसरी दुनिया में करना पड़ेगा।
हां! लाओ ट्रिगर मुझे दो! इसे मैं अपने ट्रिगर से कनेक्ट कर लेता हूं।

अब ट्रिगर का कन्ट्रोल पूरी तरह मेरे हाथ में है। ध्रुव! जल्द ही हम खतरे से बाहर होंगे।
THAT'S GOOD TO HEAR.

ओफ्फ्! निखिल ने इसमें कोड डाल रखा है। क्या हो सकता है ये कोड?
GENIUS. ट्राई कीजिए।
ओह! हां! LETS TRY.

GREAT! कोड सही था।
कितना समय और लगेगा।
बस दो मिनट्स और सब सही हो जाएगा।
उतना समय तुम्हें नहीं मिलने वाला है हिन्दुस्तानी कीड़ों...।

या SSSSSSSSS!!!
धम्म!
कड़ाक!
हा हा हा। अब...अब कोई नहीं टाल सकता...तबाही को। बम फटेगा जरूर फटेगा।
तूने हिन्दुस्तानी खून को ललकारा है अबू...आह!
ये एक हिन्दुस्तानी का वादा है तुझसे कि बम नहीं फटेगा।
ध्रुव! आह! अब...अब बम को फटने से रोकने की जिम्मेदारी तुम्हारी है। आह! मेरे वादे की लाज रखनी है तुम्हें और देश की आन की।
राघवन!
ये जंग है ध्रुव और जंग में तो जान जाती ही है।
अब सब तुम... पर! जयहिन्द!

करीम! सुनो मुझे पांच मिनट के अंदर-अंदर यहां पर स्टार कॉप्टर चाहिए...।

और हां! साथ में एक एन्टी रेडिएशन सूट भी लेते आना। क्यों, किसलिए का समय नहीं है। DO AS SAID QUICK.

इतनी अर्जेंसी में स्टार कॉप्टर की जरूरत क्यों आन पड़ी कैप्टन? और एंटी रेडिएशन सूट...

समय सवाल-जबाव का नहीं है पीटर। सवाल जिंदगी और मौत का है...लाखों जिंदगियों का है।

कोई आम बम होता तो। यूं ही कहीं भी फटने के लिए छोड़ा जा सकता था। पर ये एडवांस बम है।

इसके असर को खत्म करने के लिए इसे जमीन से नीचे सुरक्षित गहराई तक ले जाना होगा। पर इतना समय नहीं है कि सुरंग खोदी जा सके। दूसरा रास्ता है...।

इसलिए स्टार कॉप्टर सहित मुझे भी समुद्र तल तक गहराई में जाना होगा। सुरक्षित गहराई कितनी होगी कहना मुश्किल है।
पर कोशिश करने के सिवाए कोई चारा नहीं। कोशिश सफल हो गई तो ये बोनस होगा। और कोशिश असफल हुई तो...।
दूसरे जीवों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचने के लिए संदेश पहुंचाना होगा।
ग गSSS!
इतनी गहराई काफी होनी चाहिए। अब एक आखिरी काम बचा है। समुद्र की सतह तक वापिस जाना। और इस काम में मेरी दोस्त मेरी मदद आसानी से कर सकती है।
उम्मीद है समय रहते मैं सतह तक पहुंच जाऊंगा।
00:00:58

00:00:00

कोई मुझे बताएगा कि ये स्वर्ग है या पृथ्वी? मुझे नहीं पता था कि स्वर्ग में भी हॉस्पिटल्स पृथ्वी की तरह होते हैं।
तुम स्वर्ग में नहीं हो कैप्टन। ये राजनगर का सिटी हॉस्पिटल है। मतलब ये कि तुमने खतरे को टाल दिया है।
बस बॉम्ब के शॉक से तुम बेहोश रहे हो और पूरे 24 घंटे बाद होश में आए हो।
एक खुशखबरी और है आओ दिखाते हैं।

हमेशा की तरह एक बार फिर ध्रुव ने आतंकियों की साजिश को नाकाम कर राजनगर को बचाया। जीनियस उर्फ निखिल का सच सामने आया। सरकार ने निखिल की मां को मुआवजे के तौर पर 5,00,000 देने की घोषणा की है और निखिल की मृत्यु पर शोक जताया है? मरने वालों में देशभक्त कर्नल राघवन और राजनगर पुलिस इंस्पेक्टर परिजात कुशवाहा कि बेटी अदिति भी शामिल है।
नहींSSSS! अदिति... अदिति नहीं मर सकती। नहीं मर सकती अदिति।
समाप्त

प्यारे ध्रुव दोस्तों, जनून,

आपका स्टार पेज पर स्वागत है। इस बार आपकी अदालत में ध्रुव की कॉमिक्स डैड और अलाइव प्रस्तुत हुई है। आशा है कि आपको यह कॉमिक्स अवश्य पसंद आई होगी। अब फैसला आपके हाथों में है। कृप्या अपने निष्पक्ष निर्णय से अवश्य अवगत कराएं। दो भाग की इस सीरीज में आपने विभिन्न चरित्रों की देशभक्ति देखी। राघवन, निखिल, अदिति और ध्रुव। चारों ही अपने आप में बेजोड़ देशभक्त साबित हुए। अपनी जान पर खेल कर दूसरों की जान बचाने का जज्बा कोई इनसे सीखे। राघवन भी एक देशभक्त था। हालांकि उसके तौर तरीकों ने कई जिंदगियां खतरे में डाल दीं। लेकिन था वो देश का सच्चा रक्षक। जिस तरह से उसने देश के दुश्मनों के खिलाफ जंग का ऐलान किया वो गैर कानूनी और इंसानियत के खिलाफ था। इसीलिए ध्रुव को उसका तरीका कबूल नहीं हुआ और ध्रुव उसके खिलाफ हो गया। लेकिन उसने अपनी शातिर बुद्धि की पैनी चालों से एक बार तो ध्रुव को भी कानून तोड़ने पर विवश कर दिया, पर ध्रुव जान गया था की कानून को बरगला कर उसे निशाना बनाया जा रहा है। इसीलिए ध्रुव कानून की गिरफ्त में आने से पहले ही निकल भागा। ध्रुव ने चालाक राघवन को बार-बार हाथ मलने पर मजबूर किया। हर मोर्चे पर धूल चटाई और साबित किया की राघवन के देश का हर बच्चा प्रतिभाशाली है, एक जीनियस है। आशा है कि ध्रुव हर नागरिक को यह सन्देश सही रूप में समझाने में सफल रहा होगा कि असली देशभक्ति क्या है। जान के बदले जान लेना एक रक्षक को शोभा नहीं देता और वही एक आखरी रास्ता नहीं है। अपने साथ हुए अत्याचार का बदला लेने के लिए एक देश के सभी जीवित इंसानों को मुर्दा मे बदलना कोई वीरता नहीं है। व्यर्थ खून खराबा किसी समस्या का हल नहीं है। अपने अधिकारों का गलत तरीकों से इस्तेमाल करके देश सेवा की हुंकार भरना एक रक्षक के लिए शोभनीय नहीं है। देशभक्तों का पदक मानवता के सम्मान में है ना कि विध्वंस में। अब ध्रुव की आगामी कॉमिक्स ऑल्टर ईगो है। ऑल्टर ईगो में ध्रुव टकरा रहा है एक ऐसी परिस्थिति से जिसने ध्रुव को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या उसके आदर्शों में कोई खामी तो नहीं है, कहीं वो अपराधियों को जिंदा छोड़कर कोई भूल तो नहीं करता? क्योंकि उसके द्वारा पकड़वाए गए अपराधी कानून से सजा काट कर आने के बाद कर रहे हैं हत्याएं। और राजनगर वासी ध्रुव से कर रहे हैं ये सवाल कि ध्रुव तुमने इन्हें कानून के हवाले क्यों किया। क्यों नहीं इन्हें यमराज के हवाले किया। इन सब हत्याओं का जिम्मेदार तुम हो ध्रुव और ध्रुव अब अपराधियों को कानून के हवाले नहीं कर रहा बल्कि कर रहा है उनके गुनाहों का तुरंत फैसला यानी कि खुद ध्रुव अब दे रहा है सजाये मौत।

प्यारे दोस्तों अब आप शीघ्र ही राज कॉमिक्स के सभी करेक्टर्स की मोशन कॉमिक्स अपने मोबाइल फोंस पर देख सकेंगे। नागराज, ध्रुव, डोगा और बांकेलाल की मोशन कॉमिक्स बन कर तैयार हो चुकी हैं। इसकी विस्तृत जानकारी आपको अगले माह के सैट मे दी जाएगी या फिर आप राज कॉमिक्स वेबसाइट और ट्विटर के जरिये इसकी नवीनतम जानकारियाँ ले सकते हैं। ध्रुव का गेम भी आप बहुत जल्दी ही खेल सकेंगे। इस पर तेजी से काम चल रहा है। अब मिलूंगा अगले ग्रीन पेज पर।

जनून! पायेरेसी जनून नहीं अपराध है। कॉमिक्स खरीद कर पढ़ें।

धन्यवाद!
आपका संजय गुप्ता
ग्रीन पेज नः- 313

अपने पत्र हमें आप इस पते पर भेजें: ग्रीन पेज नं. 313, राजा पॉकेट बुक्स, 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-84. FORUM पर अपनी पोस्ट आप WWW.RAJCOMICS.COM पर करें।
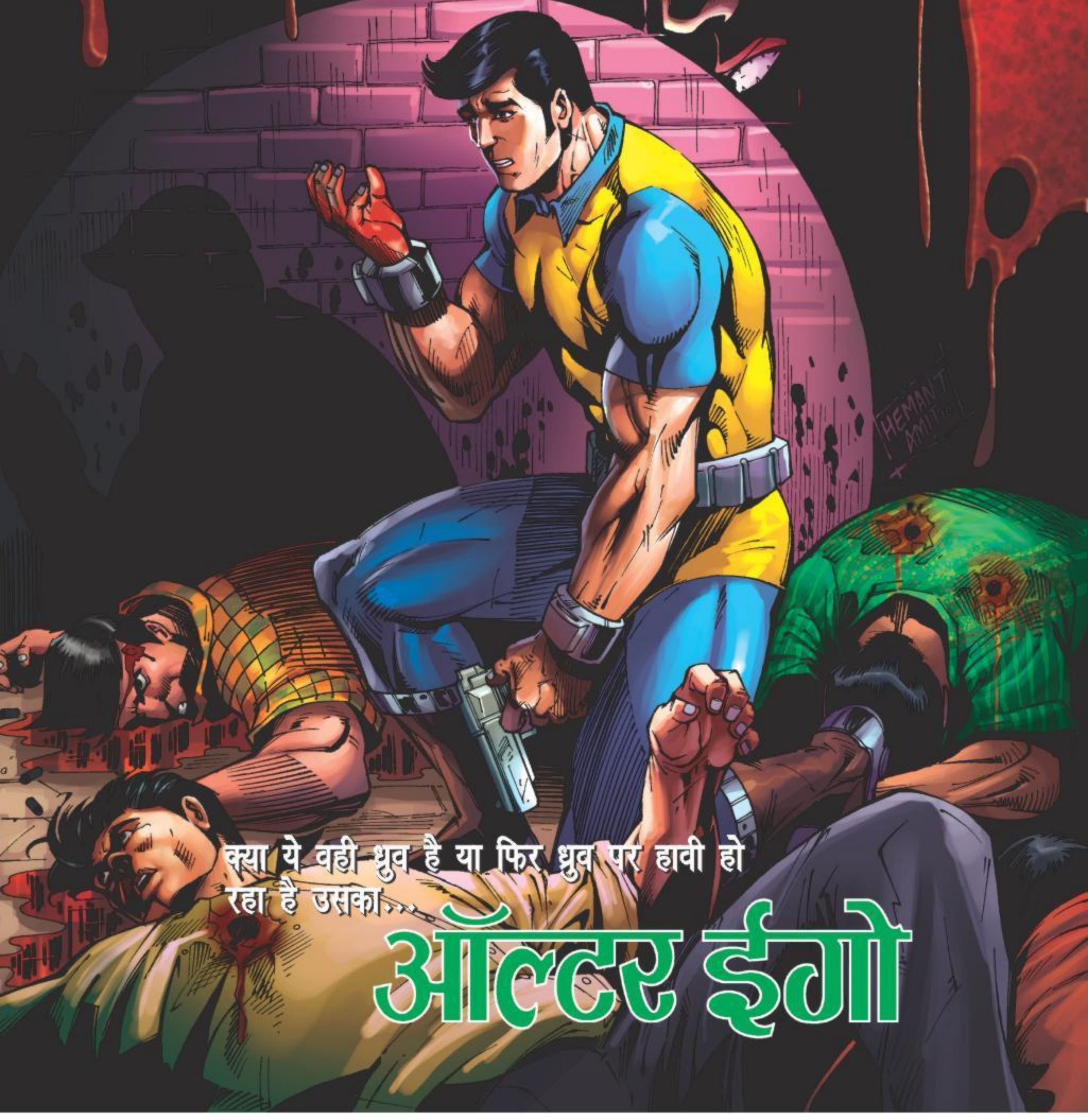
कल तक जिसने इंसानी जान ना लेने की कसम खाई थी।
आज वही ध्रुव बेहिचक कर रहा है अपराधियों का खून।
क्या ये वही ध्रुव है या फिर ध्रुव पर हावी हो
रहा है उसका...
ऑल्टर ईगो